बिहार विधान परिषद

(199वां शीतकालीन सत्र)

3 दिसम्बर, 2021

[शिक्षा - खान एवं भूतत्व - कला, संस्कृति एवं युवा विज्ञान एवं प्रावैधिकी].

कुल प्रश्न 23

संबद्ध घोषित का प्रावधान

*55 **डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सूबे में तीन-चार दशकों से स्थापित/संचालित माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट शिक्षण संस्थानों की संबद्धता के नाम पर भूतलक्षी प्रभाव से नई नियमावली थोपते हुए लगभग छः (6) वर्षों का वेतनानुदान रोक दिया गया है जिसके कारण संबंधित शिक्षाकर्मी आर्थिक बदहाली का सामना कर रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त व्ययगत सत्रों वर्ष 2014 से आदिनांक छात्र-छात्राओं के परीक्षाफल की मान्यता भी दी गई है और दी जा रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ऐसे संस्थानों की उपयोगिता तथा उपादेयता को दृष्टिपथ में रखते हुए पूर्ण संबद्ध घोषित करने का प्रावधान करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

ससमय परीक्षा

*56 **श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बी०आर०ए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर की सत्र 2018-21 की स्नातक परीक्षा निर्धारित समय जून 2021 में नहीं होने से 60 हजार छात्र इंस्टीच्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन के पीओ एवं मैनेजमेंट ट्रेनिंग के विज्ञापित 4335 पदों पर आवेदन देने से वंचित रह गये;

(ख) क्या यह सही है कि इस विश्वविद्यालय में इंटर एवं स्नातक की परीक्षा निर्धारित समय पर नहीं होने से छात्रों को टेक्निकल इंस्टीच्यूट में न तो नामांकन होता है न ही नौकरियों के विज्ञापन में आवेदन दे पाते हैं फलतः भारी संख्या में यहां के छात्रों का पलायन दूसरे राज्यों में हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो ससमय परीक्षा नहीं होने का क्या कारण है और क्या सरकार इसकी जांच कराकर छात्रों के हित में इसका निवारण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

पुस्तकों की उपलब्धता

***57 श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वर्ष 2020 के बाद राज्य में NCERT की पुस्तकें उपलब्ध नहीं हो सकी है;

(ख) क्या यह सही है कि प्रतिवर्ष राज्य के 16-17 लाख छात्रों को NCERT के पुस्तकों की जरूरत पड़ती है लेकिन बिहार में NCERT पुस्तकों की कमी की वजह से लगभग 8 लाख से अधिक छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(ग) क्या यह सही है कि NCERT के पुस्तकों की उपलब्धता में कमी की वजह से बड़ी संख्या में डुप्लिकेट पुस्तकों का सहारा लेना पड़ता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यह बतलाएगी कि राज्य के स्कूली छात्र-छात्राओं को NCERT की पुस्तकों की उपलब्धता कबतक सुनिश्चित करेगी और नहीं तो क्यों?

शौचालय का निर्माण कबतक

*58 **श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के कई माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि इन विद्यालयों में शौचालय नहीं रहने के कारण छात्र एवं छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालयों को चिन्हित कर शौचालय का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

विद्यालय भवन का निर्माण

*59 **प्रो. (डा.) रामबली सिंह (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अरवल जिला के करपी प्रखंड के ग्राम कुसरे में प्राथमिक विद्यालय वर्षों से चल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि प्राथमिक विद्यालय का भवन नहीं रहने के कारण पूर्व में विभाग को कई बार आम जनता द्वारा लिख कर दिया गया है परन्तु भवन नहीं बन पाया;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्राथमिक विद्यालय का भवन बनाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

आवश्यक कदम

*60 **डा. वीरेन्द्र नारायण यादव (स्नातक सारण):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण प्रमण्डल के मुख्यालय, छपरा में बिहार सरकार द्वारा अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (बी.एड. कॉलेज) की स्थापना वर्षों पूर्व की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि इस सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की मान्यता राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली ने समाप्त कर दी है, जिससे इस महाविद्यालय में प्रशिक्षणार्थी छात्र-छात्राओं का नामांकन कई वर्षों से नहीं हो रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि महाविद्यालय में पर्याप्त संख्या में नियमानुसार शिक्षक नहीं है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार महाविद्यालय की मान्यता तथा विद्यार्थियों के नामांकन के लिए आवश्यक कदम उठायेगी, यदि हां तो कबतक?

आंगनबाड़ी भवन में पुनर्स्थानान्तरण

*61 **प्रो. गुलाम गौस (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला अंतर्गत कुशेश्वर स्थान प्रखंड के बुचौली गांव में एक प्राथमिक विद्यालय संचालित था;

(ख) क्या यह सही है कि यह विद्यालय आंगनबाड़ी भवन में चलता था और इसमें बच्चे भली-भांति पढ़ रहे थे;

(ग) क्या यह सही है कि इस विद्यालय को गोपालपुर गांव में स्थित मध्य विद्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है;

(घ) क्या यह सही है कि गोपालपुर स्थित मध्य विद्यालय बुचौली गांव से 2 कि०मी० दूरी पर स्थित है, जहां छोटे-छोटे बच्चों को जाने में परेशानी होती है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक प्राथमिक विद्यालय को पुनः बुचौली गांव के आंगनबाड़ी भवन में लाएगी?

दिशा निर्देश में सुधार

*62 **श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगेः-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए अध्ययन अवकाश हेतु जारी दिशा निर्देश त्रुटिपूर्ण है;

(ख) क्या यह सही है कि अध्ययन अवकाश की सुविधा सभी विषयों में नहीं दिया गयी और, PHD और Lib.Science में PH.D. करने का प्रावधान संबंधित अध्ययन नियमावली में नहीं है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक त्रुटिपूर्ण दिशा-निर्देश में सुधार करने का विचार रखती है?

प्रोन्नति देने का विचार

*63 **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

क्या **विज्ञान एवं प्रावैधिकी** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगेः-
क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि एम०आई०टी०, मुजफ्फरपुर में वर्ष 1986 से कार्यरत 3 शिक्षक (सह प्राध्यापक) डा० सुनिल कुमार, डा० ओम प्रकाश ठाकुर एवं असीम कुमार ठाकुर को सी०ए०एस० के अन्तर्गत प्रोफेसर के पद पर अबतक प्रोन्नति नहीं दी गई है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त तीन शिक्षकों को सह-प्राध्यापक के पद पर दिनांक – 09.12.1999 के प्रभाव से ही प्रोन्नति प्रदान की जा चुकी है बावजूद इसके इनके कार्यानुभव, शिक्षण एवं प्रशासनिक दक्षता को देखते हुए सी०ए०एस० के अंतर्गत प्रोफेसर के पद पर प्रोन्नति से वंचित रखा गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त तीन एवं अन्य वंचित सह-प्राध्यापकों को दिनांक – 09.12.2007 के प्रभाव से प्राध्यापक के पद पर प्रोन्नति देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

कार्रवाई करने का विचार

*64 **डा. समीर कुमार सिंह (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिम चम्पारण, बेतिया के जिला शिक्षा पदाधिकारी पर न्यायिक आरोप है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य परियोजना निदेशक, बिहार, पटना ने अपने पत्रांक – 5549, दिनांक – 01.09.2021 और पत्रांक – 5784, दिनांक – 09.09.2021 द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी के विरुद्ध लगाये गये आरोपों की जांच हेतु तीन सदस्यीय टीम गठित की है;

(ग) क्या यह सही है कि निदेशक, प्रशासन सह अपर सचिव के पत्रांक – 412, दिनांक – 14.09.2021 द्वारा क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर को उनके विरुद्ध लगाये गये आरोपों की जांच करने का आदेश दिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार शीघ्र जांच रिपोर्ट प्राप्त कर उक्त पदाधिकारी पर कबतक अनुशासनिक कार्रवाई करने का विचार रखती है?

पुस्तकालयाध्यक्ष की नियुक्ति

*65 **डा. मदन मोहन झा (शिक्षक दरभंगा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार राज्य के नियोजित शिक्षकों के लिए अधिसूचित नई सेवाशर्त नियमावली, 2020 में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद के लिए पात्रता परीक्षा के द्वारा पुस्तकालयाध्यक्ष की नियुक्ति का प्रावधान है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार पुस्तकालयाध्यक्ष पात्रता परीक्षा का आयोजन एवं जिन विद्यालयों में 500 से अधिक पुस्तकें हैं, वहां पुस्तकालयाध्यक्ष को नियुक्त करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

स्टेडियम के रूप में विकसित

*66 **श्री घनश्याम ठाकुर (मनोनीत):**

क्या **कला, संस्कृति एवं युवा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बेनीपट्टी प्रखण्ड में परौल, +2 विद्यालय एकतारा, लोहा बेनीपट्टी, धकजरी, बसैठ में खेल का मैदान है;

(ख) क्या यह सही है कि प्रखण्ड में कोई स्टेडियम नहीं है, इस कारण प्रखण्ड स्तर का खेल का आयोजन नहीं होता है;

(ग) क्या यह सही है कि प्रखण्ड में एक से एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और स्टेडियम नहीं रहने के कारण अपनी प्रतिभा नहीं दिखा पाते हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खण्ड 'क' में वर्णित खेल के मैदानों को मिनी स्टेडियम के रूप में विकसित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

इतिहास का प्रकाशन कबतक

***67 डा. रामवचन राय (मनोनीत):**

क्या **कला, संस्कृति एवं युवा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा बिहार के स्वतंत्रता सेनानियों का इतिहास लिखवाने की पहल शुरू हुई थी;

(ख) क्या यह सही है कि यह दायित्व काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान, पटना को सुपुर्द किया गया था और इसके लिए राशि आवंटित की गयी थी;

(ग) क्या यह सही है कि इस परियोजना के अन्तर्गत प्रत्येक जिला के स्वतंत्रता सेनानियों का जीवनवृत्त तैयार करने के लिए शोध सहायकों द्वारा सर्वेक्षण होना था;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार आजादी के अमृत महोत्सव पर बिहार के स्वतंत्रता सेनानियों का इतिहास कबतक प्रकाशित करना चाहती है?

प्रेक्षागृह का निर्माण

***68 श्री सर्वेश कुमार (स्नातक दरभंगा):**

क्या **कला, संस्कृति एवं युवा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय सांस्कृतिक रूप से काफी उन्नत जिला है तथा यहां प्रायः नाटक, नृत्यनाटिका, थियेटर आदि का मंचन होता रहता है;

(ख) क्या यह सही है कि बेगूसराय में कोई प्रेक्षागृह उपलब्ध नहीं है जबकि इसके निर्माण हेतु योजना काफी पहले से ही स्वीकृत है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतलाएगी कि वह बेगूसराय जिला में कबतक प्रेक्षागृह का निर्माण कराना चाहती है?

निर्धारित लाभ

*69 **डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सभी नगर निकाय क्षेत्र के आठ किलोमीटर (8 KM) की परिधि में आने वाले माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए शहरी आवासीय भत्ता निर्धारित है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के विभिन्न प्रखण्ड एवं अनुमण्डल मुख्यालयों में स्थित नगर निकाय क्षेत्र के शिक्षकों और पुस्तकालयाध्यक्षों को निर्धारित लाभ नहीं दिये जाने से उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्रश्नगत संबंध में संबंधित सक्षम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश निर्गत किये जाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

बालू की आपूर्ति सुनिश्चित

*70 **श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

क्या **खान एवं भूतत्व** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, खनन एवं भूतत्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना के अलावा भोजपुर, रोहतास, औरंगाबाद, गया और छपरा में 1 मई, 2021 से सरकारी बालू की बंदोबस्ती बंद के बावजूद बालू माफिया द्वारा अवैध रूप से बालू निकाला जा रहा है जिसके चलते सरकार को प्रत्येक दिन 2 करोड़ रुपये की हानि हो रही है;

(ख) क्या यह सही है कि माफिया द्वारा ऊंचे दामों पर बालू को बेचा जाता है जिसके

चलते निर्माण का कार्य नहीं के बराबर हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बालू माफिया पर अंकुश लगाने के साथ-साथ बालू की आपूर्ति सुनिश्चित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

मैथिली भाषा की पढ़ाई कबतक

*71 **श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि विगत बजट सत्र में सरकार ने राज्य के स्कूली पाठ्यक्रम में मैथिली भाषा की पढ़ाई फिर से शामिल कर उसकी पढ़ाई आरंभ कराने की घोषणा की थी;

(ख) क्या यह सही है कि उपर्युक्त घोषणा को लगभग छह महीने गुजरने के बाद भी मैथिली भाषा की पढ़ाई आरम्भ कराने की दिशा में सरकार की ओर से कोई सार्थक पहल नहीं की गई;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य में विगत 16 वर्षों से एक भी मैथिली भाषा के शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतलाएगी कि मैथिली भाषा को लेकर उसने उपेक्षा तथा उदासीन रूख क्यों अपना रखा है और यदि नहीं तो उसे स्पष्ट तौर पर अपनी मंशा स्पष्ट करनी चाहिए?

विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी

*72 **प्रो. (डा.) रामबली सिंह (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 15-20 वर्षों से विज्ञान की प्रयोगशाला के लिए अलग से राशि मुहैया नहीं कराई गई है;

(ख) क्या यह सही है कि विगत कई वर्षों से विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में प्रोजेक्ट्स एवं शोध पर अलग से राशि मुहैया नहीं कराई गई;

(ग) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा कई कार्यक्रमों में कहा गया कि विश्वविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए इन्हें दुनिया के विकसित विश्वविद्यालयों के श्रेणी में खड़ा करेंगे लेकिन अबतक ऐसा नहीं हुआ;

(घ) क्या यह सही है कि पटना विश्वविद्यालय को छोड़कर बिहार के किसी विश्वविद्यालय में सत्र नियमित नहीं, साथ ही शिक्षकों की कमी है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इन सभी कमियों को दूर करने के लिए कौन सा कदम उठाने जा रही है, नहीं तो क्यों?

आदेश की अवहेलना

***73 डा. वीरेन्द्र नारायण यादव (स्नातक सारण):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, नालंदा के पत्रांक – 1511, दिनांक – 20.09.2021 द्वारा श्री हीरालाल पासवान, स्नातक विज्ञान शिक्षक, मध्य विद्यालय, रहुई को उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिउरी, प्रखंड – बिहारशरीफ में एवं पत्रांक – 2553, दिनांक – 28.08.2021 द्वारा श्री मो० मुअज्जम बर्क, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, बबुरबन्ना को उर्दू प्राथमिक विद्यालय, महुआटोला, बिहारशरीफ में सरकार के आदेश की अवहेलना कर प्रतिनियुक्त कर दिया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त शिक्षकों के प्रतिनियोजन को अविलम्ब रद्द करते हुए सरकार के आदेश की अवहेलना करने वाले जिला शिक्षा पदाधिकारी, नालंदा को अविलम्ब निलंबित कर इनके ऊपर एफ०आई०आर० दर्ज करना चाहती है?

संस्था का नाम

***74 प्रो. गुलाम गौस (विधान सभा):**

क्या **कला, संस्कृति एवं युवा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि उस्ताद बिस्मिल्ला खान विश्वविख्यात शहनाई वादक थे;

(ख) क्या यह सही है कि खां साहब बिहार की माटी के लाल थे;

(ग) क्या यह सही है कि भारत सरकार ने उन्हें 'भारत रत्न' सम्मान से सम्मानित किया है;

(घ) क्या राज्य सरकार पटना में उनके नाम से किसी संस्था का नाम रखकर उन्हें पुरस्कृत करेगी;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक पटना में किसी संस्था का नाम उनके नाम पर मंजूर करेगी?

कार्रवाई

***75 श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पारसनाथ गुप्ता, पिता – श्री डोमन साव बिहार शिक्षक नियोजन के अंतर्गत हिलसा प्रखंड नियोजन इकाई का कक्षा 6 से 8 (सामाजिक विज्ञान) अत्यंत पिछड़ा वर्ग श्रेणी का एक अभ्यर्थी है;

(ख) क्या यह सही है कि इनका मेधा सूची क्रम सं – 259 एवं मेधा अंक – 69.78 तथा प्राप्ति रसीद संख्या – 77 है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त नियोजन इकाई में इनकी काउंसिलिंग दिनांक – 07.08.2021 को थी परन्तु इनसे कम प्राप्त अंक वाले अभ्यर्थी को काउंसिलिंग हेतु बुलाया गया परन्तु श्री पारसनाथ गुप्ता को नहीं बुलाया गया, जबकि ये काउंसिलिंग के वक्त वहां पर उपस्थित थे;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वर्णित तथ्यों की जांच करवाकर श्री पारसनाथ गुप्ता को मेधा अंक के आधार पर नियोजित करने का निर्देश देना चाहेगी एवं उक्त कार्य में लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों पर कार्रवाई करना चाहेगी, यदि हां तो कबतक?

बकायी राशि का भुगतान कबतक

*76 **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिला अन्तर्गत कार्यरत नियमित शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों तथा विभिन्न नियोजन इकाई में कार्यरत शिक्षकों का बकाये वेतन का भुगतान वर्षों से लंबित है;

(ख) क्या यह सही है कि जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा कुछ का भुगतान किया गया है और बकाये भुगतान हेतु विभागीय आदेश नहीं होने के कारण भुगतान लंबित रखा जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त बचे कर्मियों को बकायी राशि का भुगतान कबतक करने का विचार रखती है?

अनुदान की राशि कबतक

*77 **डा. समीर कुमार सिंह (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में स्थित वर्ष 2008 तक मान्यता प्राप्त डिग्री कॉलेजों एवं इंटर कॉलेजों को ही अनुदान की राशि का भुगतान किया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में स्थित वर्ष 2008 के बाद मान्यता प्राप्त डिग्री कॉलेजों एवं इंटर कॉलेजों को अनुदान की राशि नहीं दी जा रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'ख' पर अंकित कॉलेजों को अनुदान की राशि देना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों?